

20.8.16

पत्रावली पेश करी कारी उपे। रिपोरि तदमीकर
 वलीरपा से प्राप्त करी करी सतीश-यद
 सेक गवाह वर्यु पुत्र कलोट्रेपा के
 तदमीकर से ज्ञात रिपोरि सेप मोठिड
 नाथ गवाहान का ठपकोक निपागपा
 तदमीकर अशा अपनी रिपोरि के गहठपकार
 ज्ञापा गपा हे कि हुताषिड पत्रावली हाका
 काकाई की रिपोरि के ठपकर वादी
 सतीश-यद पुत्र वर्यु जाति मीकर
 गवाह का कोकता नाम विक्राम
 पुत्र वर्यु हे। तपा विक्राम व

सामने
 वर्यु



सहायक कलेक्टर एवं
 कार्यपालक मजिस्ट्रेट
 गंगापुर सिटी

सतीश-चन्द ७३ ही व्याप्ति के दावा
 के दोनो अधिका-काल्य व्याप्ति नहीं
 है तथा विक्रम पुत्र बन्धु जाती
 वाक का अन्वय शान्त व्याप्ति के कोई
 अन्वय व्याप्ति नहीं है साथ ही शान्त
 पंचायत कालाही के तरपैन्व का
 अजाणपत्र की तद्विषय इच्छा को
 प्रति के अन्वय के केषा जपा है जिसके
 अन्वय व्याप्ति द्वारा सतीश-चन्द
 के विक्रम वाक का ७३ ही व्याप्ति
 होता जाता है वादी ने कपने वाद
 पत्र के मात दत्तके प्रवेश किसे है
 अन्वय की सतीश-चन्द पुत्र बन्धु
 होता किसे है तथा अपने गवाह
 के अन्वय में पित्त बन्धु पुत्र कालाही
 के अन्वय कराये है जिसमें बन्धु ने
 अपने अन्वय का दिवाले के वाक सतीश-चन्द
 होता तथा चरका वाक विक्रम होता
 जाता है तथा रिवाज में विक्रम का
 वाक सतीश-चन्द दत्तके अन्वय के वाक
 सत्य ही है उपरोक्त अन्वय दत्तके
 अन्वय पत्रावली के अन्वय के अन्वय
 के अन्वय के अन्वय है कि सतीश-
 चन्द के विक्रम ७३ ही व्याप्ति के
 दोनो अधिका शान्त शान्त रिवाज
 के विक्रम पुत्र बन्धु के अन्वय
 पर वही वाक सतीश-चन्द पुत्र
 बन्धु जाती की दत्त किसे माता

महाशय कलक्टर एवं
 कार्यपालक मजिस्ट्रेट
 गंगापुर सिटी

रीख
म

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुकम की तामील
में जारी हुए

उचित उचित होता है।

आतः आदेश दिया

जाता है कि अति 00 नं० 713 रस्ता
0.22 है गाँव बगवानी में आतेगाँ के
दरि विभाग पुत्र बन्धु नकि को हनफ
दिया जाय उसके स्थान पर लतीश
यह पुत्र बन्धु जाती कीन दरि दिया
जायेगा इसी कडुल्ल समान रस्ता
दिकार में इन्का दुरन्त दिया जावे
पचा इसी पथके लपावे द्या पत्रावरी
फेथन शुभव द्ये नम्बर मेकाह है
तमा बाद तामील वाकिह लेना है

सहायक कलेक्टर एवं
कार्यपालक मजिस्ट्रेट
गंगापुर सिटी